



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 192]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 17, 1977/ज्येष्ठ 27, 1899

No. 192]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 17, 1977/JYASTHA 27, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

LOK SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June 1977

THE LOK SABHA SECRETARIAT (ALLOTMENT OF RESIDENCES) RULES, 1974

G.S.R. 279(E).—In exercise of the powers conferred by Fundamental Rule 45, as made applicable to the officers of the Lok Sabha Secretariat by Recruitment and Conditions of Service Order No 186, dated the 19th December, 1957, the Speaker of the Lok Sabha hereby makes the following Rules further to amend the Lok Sabha Secretariat (Allotment of Residences) Rules, 1974, namely:—

1. (1) These rules may be called the Lok Sabha Secretariat (Allotment of Residences) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the seventeenth day of June, 1977.

2 In the Lok Sabha Secretariat (Allotment of Residences) Rules, 1974, in rule 2, for clause (j), the following clause shall be substituted, namely:—

“(j) ‘priority date of an officer, in relation to a type of residence to which he is eligible under the provisions of rule 4 means the earliest date from which he has been continuously drawing emoluments relevant to a particular type or a higher type in a post under the Lok Sabha Secretariat or on foreign service, except for periods of leave.

Provided that in the case of officers who are in the service of the Lok Sabha Secretariat on the date of commencement of these rules, the service, if any, rendered by such officers in the Central Government or a State Government before such commencement shall be reckoned for determining the priority date

Provided further that in respect of a type II, type III or IV residence, the date from which the officer has been continuously in service under the Lok Sabha Secretariat including the periods of foreign service shall be his priority date for that type.

Provided also that where the priority date of two or more officers is the same, seniority among them shall be determined by the amount of emoluments, the officer in receipt of higher emoluments taking precedence over the officer in receipt of lower emoluments; and where the emoluments are equal, by the length of service"

[No. F. 1/18/77/AN-II]

S L. SHAKDHER,
Secretary-General

लोक सभा सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जून, 1977

लोक सभा सचिवालय (आवास का आवंटन) नियम, 1974

सा० का० नि० 279 (घ).—मूल नियम 45, जिसे दिनांक 19 दिसम्बर, 1957 के भर्ती तथा सेवा की शर्तों संबंधी आदेश सख्या 185 द्वारा लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों पर लागू किया गया था, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक सभा के अध्यक्ष एतद्वारा लोक सभा सचिवालय (आवास का आवंटन) नियम, 1974 में अग्रेतर मशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों को लोक सभा सचिवालय (आवास का आवंटन) मशोधन नियम, 1977 कहा जाएगा ।

(2) वे सत्रह जून, 1977 को लागू होंगे ।

2. लोक सभा सचिवालय (आवास का आवंटन) नियम, 1974 में, नियम 2 में, खण्ड (जे) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(जे) नियम 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जिस टाइप के आवास के लिए कोई अधिकारी हकदार है उसके संबंध में उस अधिकारी की ‘प्राथमिकता तिथि’ का अर्थ उस प्राथमिक तिथि से है जिस से वह लोक सभा सचिवालय के अन्तर्गत एक पद पर, अथवा अवकाश की अवधि को छोड़ कर, वास्तव में एक विनिष्ट टाइप अथवा बड़े टाइप से सगत परिवर्द्धनों को लगातार प्राप्त रहा है ।

परन्तु इन नियमों के लागू होने की तिथि को जो अधिकारी लोक सभा सचिवालय की सेवा में हैं, उन के संबंध में, उन के द्वारा केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के अन्तर्गत इन नियमों के लागू होने से पूर्व यदि कोई सेवा की गई होती उसे प्राथमिकता तिथि निर्धारित करने के लिए गिना जाएगा ।

परन्तु टाइप ‘दो’, टाइप ‘तीन’ अथवा ‘चार’ के मकानों के संबंध में वह तिथि, जिस से अधिकारी लगातार लोक सभा सचिवालय में कार्य कर रहा है, वास्तव में सेवा की अवधियों सहित, उस टाइप के लिए उसकी प्राथमिकता तिथि होगी ।

परन्तु जिन मामलों में दो अथवा अधिक अधिकारियों की प्राथमिकता तिथि समान है उन में वरिष्ठता उन के द्वारा अर्जित परिलब्धियों के आधार पर निर्धारित की जायेगी तथा अधिक परिलब्धिया प्राप्त करने वाला अधिकारी कम परिलब्धियां पाने वाले अधिकारी की अपेक्षा पूर्ववर्तिता प्राप्त करेगा, और जिन मामलों में परिलब्धिया समान हों, उन में सेवावधि के आधार पर उसका निर्धारण किया जायेगा ।”

[सं० एफ० 1/18/77 ए एन—दो]

श्यामलाल शकधर,

महामन्त्रि ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

